रोजगार की पढ़ाई | चलें आईटीआई अभियान का गृहमंत्री के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ

आठवीं के बाद सीधे करें आईटीआई, सरकार कक्षा 12वीं तक की मान्यता देगी : गृहमंत्री

भास्कर संवाददाता | सागर

आईटीआई की छात्राओं ने गृहमंत्री और कलेक्टर को दिया ज्ञापन

कार्यक्रम के दौरान महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की ट्रेड मेकेनिकल इलेक्ट्रॉनिक्स की ट्रेनी छात्राओं ने गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह और कलेक्टर को ज्ञापन दिया। उन्होंने बताया कि वे सत्र 2014-15 बैच की छात्राएं हैं। उन्हें अप्रेंटिस की ट्रेनिंग के लिए भेजा जाना था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। बार-बार कहने पर भी किसी भी ट्रेनिंग के लिए नहीं भेजा गया। इस दौरान आकांक्षा सेन, प्रियंका जैन, साक्षी जैन, आशा रैकवार, मोना मौजूद थीं।

प्रदेश सरकार ने आईटीआई को 12वीं के समकक्ष मान्यता देने का निर्णय लिया है। आठवीं पास बच्चे आईटीआई में प्रवेश ले सकते हैं। इसे पूरा करने के बाद वे सीधे ग्रेजुएशन में प्रवेश लेंगे। देश में स्किल डेवलपमेंट की सबसे ज्यादा जरूरत है। उसी दिशा में काम हो रहा है। यह बात खुरई रोड स्थित आईटीआई में रोजगार की पढ़ाई-चलें आईटीआई अभियान के शुभारंभ पर प्रदेश के गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कही।

इस दौरान प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री कौशल्या योजना एवं मुख्यमंत्री कौशल संवर्धन योजना की शुरुआत भी हुई। गृह मंत्री ने कहा कि देश में सात करोड़ पदों के लिए स्किल डेवलपमेंट की जरूरत है। जबकि तीन करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार की आवश्यकता है। सभी सेक्टर में मिलाकर एक करोड़ की ही उपलब्धता हो पा रही है। इसीलिए सरकार डिजिटल इंडिया और स्किल डेवलपमेंट पर काम कर रही है। देश भर में 100 स्किल डेवलपमेंट सेंटर बन रहे हैं, जिनसे अनेक सेक्टर में युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी एप्पल में सीईओ से लेकर अन्य पदों पर भारतीय कार्यरत हैं। अमेरिका भारतीयों को काम नहीं करने दे रहा है, ऐसे में वे क्या करेंगे? इसीलिए सरकार डिजिटल इंडिया और स्किल डेवलपमेंट चला रही है।

सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने कहा कि हमारी सरकारें युवाओं को दक्ष बनाकर उनके लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का काम कर रही है। रोजगार की पढ़ाई-चलें आईटीआई अभियान से प्रदेश में रोजगार के लिए योग्यताधारी छात्र तैयार होंगे। विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि सागर आईटीआई प्रदेश की सबसे बड़ी आईटीआई है। प्रदेश सरकार के नए अभियान से जुड़कर हमें इसे प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ आईटीआई भी बनाना है।

कार्यक्रम में कमिश्नर डॉ. मनोहर अगनानी, कलेक्टर विकास नरवाल, डीईओ संतोष शर्मा आदि मौजूद थे। संचालन डॉ. धीरेंद्र मिश्रा ने किया। पहले ही दिन करीब योजना के तहत 450 पंजीयन भी हुए। इस दौरान भोपाल में चल रहे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव प्रताप रूडी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया।

अब एएनएम भी होंगी हाईटेक, स्वास्थ्य विभाग देगा टैबलेट

भास्कर संवाददाता | सागर

ग्रामीण इलाकों में काम करने वाली सभी एएनएम को टैबलेट मिलेंगे। इसका उपयोग एएनएम फील्ड में गर्भवती महिलाओं सहित शिशु के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम की रिपोर्टिंग सीधे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को कर सकेंगी, जबकि अभी तक एएनएम पूरी रिपोर्टिंग हार्ड कॉपी पर करती थीं, जिसे बाद में भेजा जाता था। विभाग द्वारा एएनएम को एक सप्ताह का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।